



Mr. ????? ?????

28 Oct 1990

07:55 AM

Delhi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120019503

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : पुल्लिंग
 28/10/1990 : _____ जन्म तिथि _____ : 28/10/2025
 रविवार : _____ दिन _____ : मंगलवार
 घंटे 07:55:01 : _____ जन्म समय _____ : 07:13:35 घंटे
 घटी 03:31:56 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 01:47:27 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Delhi : _____ स्थान _____ : Delhi
 उत्तर 28:39:00 : _____ अक्षांश _____ : 28:39:00 उत्तर
 पूर्व 77:13:00 : _____ रेखांश _____ : 77:13:00 पूर्व
 पूर्व 82:30:00 : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:21:08 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:21:08 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 06:30:14 : _____ सूर्योदय _____ : 06:30:36
 17:39:29 : _____ सूर्यास्त _____ : 17:39:03
 23:43:57 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 24:13:07
 तुला : _____ लग्न _____ : तुला
 शुक्र : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : शुक्र
 मकर : _____ राशि _____ : धनु
 शनि : _____ राशि-स्वामी _____ : गुरु
 धनिष्ठा : _____ नक्षत्र _____ : पूर्वाषाढा
 मंगल : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : शुक्र
 1 : _____ चरण _____ : 3
 गण्ड : _____ योग _____ : सुकर्मा
 कौलव : _____ करण _____ : तैतिल
 गा-गगन : _____ जन्म नामाक्षर _____ : फा-फाल्गुनी
 वृश्चिक : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : वृश्चिक
 वैश्य : _____ वर्ण _____ : क्षत्रिय
 जलचर : _____ वश्य _____ : मानव
 सिंह : _____ योनि _____ : वानर
 राक्षस : _____ गण _____ : मनुष्य
 मध्य : _____ नाडी _____ : मध्य
 मार्जार : _____ वर्ग _____ : मूषक
 35 : _____ गत/तत्कालिक वर्ष _____ : 36



FUTUREPOINT
Astro Solutions



जन्म - विवरण

वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
विशाखा	3	27:59:35	तुला			लग्न			तुला	19:05:53	4	स्वाति
स्वाति	2	10:40:43	तुला			सूर्य			तुला	10:40:43	2	स्वाति
धनिष्ठा	1	25:01:10	मक			चंद्र			धनु	22:19:03	3	पूर्वाषाढ़ा
रोहिणी	4	20:26:18	वृष	व		मंगल			वृश्चि	00:27:29	4	विशाखा
स्वाति	3	14:30:44	तुला	अ		बुध			वृश्चि	04:19:35	1	अनुराधा
आश्लेषा	1	18:08:28	कर्क			गुरु			कर्क	00:35:05	4	पुनर्वसु
स्वाति	1	09:31:27	तुला	अ		शुक्र			कन्या	23:26:21	1	चित्रा
पूर्वाषाढ़ा	4	25:57:46	धनु			शनि	व		मीन	01:46:01	4	पूर्वाभाद्रपद
उत्तराषाढ़ा	4	08:49:41	मक	व		राहु	व		कुंभ	22:49:35	1	पूर्वाभाद्रपद
पुष्य	2	08:49:41	कर्क	व		केतु	व		सिंह	22:49:35	3	पूर्वाफाल्गुनी
मूल	4	12:39:14	धनु			मु	अ		कन्या	27:59:35	2	चित्रा

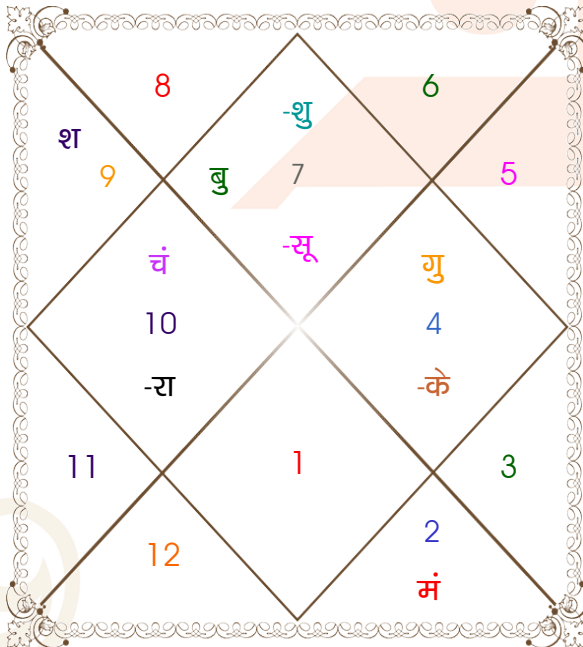
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

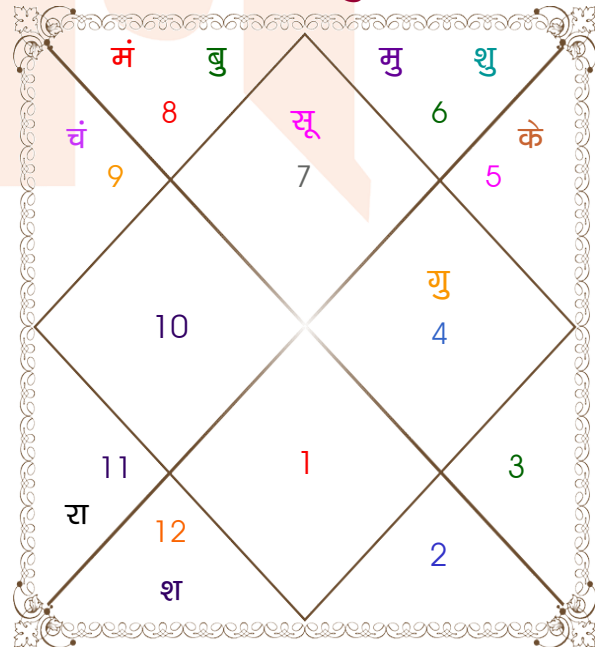
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:07

लग्न-चलित



वर्ष लग्न कुंडली



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020

Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

गुरु - सूर्य - गुरु 29/09/2025 09:33 07/11/2025 08:35	गुरु - सूर्य - शनि 07/11/2025 08:35 23/12/2025 14:57	गुरु - सूर्य - बुध 23/12/2025 14:57 03/02/2026 00:25	गुरु - सूर्य - केतु 03/02/2026 00:25 20/02/2026 01:30
गुरु 04/10/2025 14:13 शनि 10/10/2025 18:16 बुध 16/10/2025 06:44 केतु 18/10/2025 13:16 शुक्र 25/10/2025 01:07 सूर्य 26/10/2025 23:52 चंद्र 30/10/2025 05:47 मंगल 01/11/2025 12:20 राहु 07/11/2025 08:35	शनि 14/11/2025 16:23 बुध 21/11/2025 05:42 केतु 23/11/2025 22:28 शुक्र 01/12/2025 15:31 सूर्य 03/12/2025 23:02 चंद्र 07/12/2025 19:34 मंगल 10/12/2025 12:21 राहु 17/12/2025 10:54 गुरु 23/12/2025 14:57	बुध 29/12/2025 11:41 केतु 31/12/2025 21:38 शुक्र 07/01/2026 19:13 सूर्य 09/01/2026 20:54 चंद्र 13/01/2026 07:41 मंगल 15/01/2026 17:38 राहु 21/01/2026 22:40 गुरु 27/01/2026 11:07 शनि 03/02/2026 00:25	केतु 04/02/2026 00:17 शुक्र 06/02/2026 20:28 सूर्य 07/02/2026 16:55 चंद्र 09/02/2026 03:01 मंगल 10/02/2026 02:52 राहु 12/02/2026 16:14 गुरु 14/02/2026 22:47 शनि 17/02/2026 15:33 बुध 20/02/2026 01:30
गुरु - सूर्य - शुक्र 20/02/2026 01:30 09/04/2026 18:18	गुरु - चंद्र - चंद्र 09/04/2026 18:18 20/05/2026 08:18	गुरु - चंद्र - मंगल 20/05/2026 08:18 17/06/2026 18:06	गुरु - चंद्र - राहु 17/06/2026 18:06 29/08/2026 19:18
शुक्र 28/02/2026 04:18 सूर्य 02/03/2026 14:45 चंद्र 06/03/2026 16:09 मंगल 09/03/2026 12:19 राहु 16/03/2026 19:39 गुरु 23/03/2026 07:29 शनि 31/03/2026 00:33 बुध 06/04/2026 22:07 केतु 09/04/2026 18:18	चंद्र 13/04/2026 03:28 मंगल 15/04/2026 12:17 राहु 21/04/2026 14:23 गुरु 27/04/2026 00:15 शनि 03/05/2026 10:28 बुध 09/05/2026 04:27 केतु 11/05/2026 13:16 शुक्र 18/05/2026 07:36 सूर्य 20/05/2026 08:18	मंगल 22/05/2026 00:05 राहु 26/05/2026 06:21 गुरु 30/05/2026 01:15 शनि 03/06/2026 13:12 बुध 07/06/2026 13:48 केतु 09/06/2026 05:34 शुक्र 13/06/2026 23:12 सूर्य 15/06/2026 09:17 चंद्र 17/06/2026 18:06	राहु 28/06/2026 17:05 गुरु 08/07/2026 10:51 शनि 20/07/2026 00:26 बुध 30/07/2026 08:48 केतु 03/08/2026 15:04 शुक्र 15/08/2026 19:16 सूर्य 19/08/2026 10:56 चंद्र 25/08/2026 13:02 मंगल 29/08/2026 19:18
गुरु - चंद्र - गुरु 29/08/2026 19:18 02/11/2026 17:42	गुरु - चंद्र - शनि 02/11/2026 17:42 18/01/2027 20:18	गुरु - चंद्र - बुध 18/01/2027 20:18 28/03/2027 20:06	गुरु - चंद्र - केतु 28/03/2027 20:06 26/04/2027 05:54
गुरु 07/09/2026 11:05 शनि 17/09/2026 17:50 बुध 26/09/2026 22:37 केतु 30/09/2026 17:31 शुक्र 11/10/2026 13:15 सूर्य 14/10/2026 19:10 चंद्र 20/10/2026 05:02 मंगल 23/10/2026 23:57 राहु 02/11/2026 17:42	शनि 14/11/2026 22:43 बुध 25/11/2026 20:53 केतु 30/11/2026 08:50 शुक्र 13/12/2026 05:16 सूर्य 17/12/2026 01:48 चंद्र 23/12/2026 12:01 मंगल 27/12/2026 23:58 राहु 08/01/2027 13:33 गुरु 18/01/2027 20:18	बुध 28/01/2027 14:53 केतु 01/02/2027 15:28 शुक्र 13/02/2027 03:26 सूर्य 16/02/2027 14:13 चंद्र 22/02/2027 08:12 मंगल 26/02/2027 08:48 राहु 08/03/2027 17:10 गुरु 17/03/2027 21:56 शनि 28/03/2027 20:06	केतु 30/03/2027 11:53 शुक्र 04/04/2027 05:31 सूर्य 05/04/2027 15:36 चंद्र 08/04/2027 00:25 मंगल 09/04/2027 16:11 राहु 13/04/2027 22:27 गुरु 17/04/2027 17:22 शनि 22/04/2027 05:19 बुध 26/04/2027 05:54

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्येश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकांश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे ।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजन्मषोर्बलमस्य चिन्त्यम् ।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः ।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे ॥

* * * * *

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आपको शारीरिक कष्ट तथा परेशानियां प्राप्त होती रहेंगी फलतः शरीर में दुर्बलता रहेगी एवं स्वभाव में क्रोध की अधिकता रहेगी जिससे आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। मानसिक स्थिति भी इस समय आपकी अच्छी नहीं रहेगी तथा अशान्ति एवं व्याकुलता का भाव इसमें विद्यमान रहेगा। इस समय वाणी के दोष के कारण समाज में आपके अन्याय की संभावना रहेगी। साथ ही बुद्धि भी मध्यम रहेगी तथा किए हुए कार्यों से आपको विशेष लाभ नहीं होगा तथा इनमें किंचित समस्याएं उत्पन्न होंगी। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों का अनुपालन भी अल्प मात्रा में ही करेंगे। इस समय संतति पक्ष से आपको कोई विशेष सुख एवं सहयोग नहीं मिलेगा। साथ ही मित्र एवं संबंधियों से भी संबंधों में तनाव रहेगा तथा इनसे विशेष लाभ नहीं होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ नहीं रहेगा। इस समय व्यापार में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा हानि की भी संभावना रहेगी एवं लाभ मार्ग भी अवरुद्ध रहेंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में उन्नति में विलम्ब तथा समस्याएं रहेंगी। साथ ही उच्चाधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न रहेंगे जिससे उनका सहयोग भी अल्प ही रहेगा। आर्थिक स्थिति भी इस समय मध्यम रहेगी तथा यदा कदा आपको इससे परेशानी रहेगी। इस समय किसी झूठी गवाही को देकर आप अनावश्यक कष्ट की भी प्राप्ति करेंगे तथा समाज में मान प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी कष्ट एवं दुःख प्राप्त हो सकता है। अतः ऐसे समय को आप शान्ति एवं संयम पूर्वक व्यतीत करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथा:-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्विहास्वामिसौम्येत्यशालं प्रपन्ना ।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य ॥

_*__**_****

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शारीरिक कष्ट से आप समय समय पर परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मन में भी असन्तुष्टि तथा अप्रसन्नता का भाव विद्यमान रहेगा। इस वर्ष आपका व्यय अधिक होगा तथा लाभ अल्प मात्रा में रहेगा। इस समय अन्यत्र भी धनहानि की संभावना रहेगी अतः आर्थिक स्थिति में विषमता रहेगी तथा यदा कदा समस्याएं भी उत्पन्न होंगी। धर्म के प्रति आपके मन में इस समय विशेष आस्था नहीं रहेगी तथा धार्मिक प्रवृत्तियों के प्रति आपकी उपेक्षा बनी रहेगी। इस वर्ष में आप सद्मित्रों का साथ अल्प ही करेंगे तथा दुष्ट व्यक्तियों से आपकी प्रीति बढ़ेगी। अपने स्वजनों तथा बन्धुवर्ग से भी आपके मन में विशेष स्नेह तथा सहयोग के भाव की अल्पता रहेगी जिससे इनसे भी आपको अल्प सहयोग एवं सुख प्राप्त होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता की दृष्टि से भी वर्ष विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आपको इस क्षेत्र में समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपके वरिष्ठ नेता तथा उच्चाधिकारी असन्तुष्ट तथा अप्रसन्न रहेंगे जिससे पदोन्नति में बाधाएं उत्पन्न होंगी। व्यापार आदि में भी इस समय विशेष लाभ नहीं होगा अपितु हानि की ही संभावनाएं रहेंगी। अतः इस समय कोई नवीन कार्य प्रारंभ न करें तथा अपने सहयोगी या साझेदार से भी सावधान रहें। इसके अतिरिक्त इस समय भूमि या जायदाद संबंधी हानि या परेशानी भी हो सकती है। अतः संयम एवं शान्तिपूर्वक समय को व्यतीत करें।